MR. SPEAKER : A direct question. Why don't you answer ? (*Interruptions*).

Kindly help the House.

SHRI RAJ NARAIN : Even now do you say that I am not helping the House ?

MR. SPEAKER : Their question is are you willing to channelise the aid through the State Government ?

SHRI RAJ NARAIN : Why not ?

MR. SPEAKER : Please answer that.

श्री राज नारायण : मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि जितनी उत्सुकता हमारे सम्मानित सदस्य इस सदन में दिखा रहे हैं, और वे आंध्रप्रदेश के विपत्तिग्रस्त लोगों के लिए (**व्यवधान**) .... स्टेट गवर्नमेंट के द्वारा जो मदद मांगी गई और अब तक जो मदद स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को दी (**व्यवधान**) .... रजिस्ट्रार आफ सोसायटीज हमारे कंट्रोल में नहीं है (**व्यवधान**), उसने क्या मदद दी, वहां की गवर्नमेंट ने क्या मांगा यह हम कैसे बता सकते हैं (**व्यवधान**)

MR. SPEAKER : Do not record anything.

SOME HON. MEMBERS : **

जिलाई और बोकारो इस्पात संयंत्रों के विस्तार के लिए मशीनरी का अप्रयुक्त पड़े रहना

*510. **श्री भानु कुमार शास्त्री** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भिलाई और बोकारो इस्पात संयंत्रों के विस्तार कार्य के प्रयोजनार्थ करोड़ों रुपये के मूल्य की मशीनरी तथा अन्य सामग्री यार्ड में अप्रयुक्त पड़ी हुई है ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इस गलत आयोजना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK) : (a) A total of about 30,000 tonnes of equipment has been received at site at Bokaro and is awaiting erection. In the case of Bhilai the total tonnage of such material is about 16,000 tonnes.

(b) While undertaking execution of large projects, procurement of equipment and material has to be arranged keeping in view several factors, like the load time required for procurement time needed for further processing, the construction and commissioning schedule etc. In such procurement, especially in the case of big projects like Bokaro and Bhilai, it sometimes becomes necessary to obtain and keep in storage some of the materials so as to ensure that it is readily available and there is no hold up in the construction work.

श्री भानु कुमार शास्त्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्न पूछने से पहले, माननीय मंत्री महोदय से मैं एक निवेदन करना चाहूंगा और यह जानना चाहूंगा कि आपका मंत्रालय संसद् से और इस हाऊस से तथ्यों को छिपाने की बात क्यों कर रहा है ? जो बात पूछी नहीं जा रही है, उसका उत्तर आप दे रहे हैं, जो बात पूछा जा रहा है उसका उत्तर आप नहीं दे रहे हैं।

SHRI BIJU PATNAIK : He has accused that I have not answered the question. I have specifically answered the question. Part (a) of the question is :

> "whether machinery and other material worth crores of rupees intended for the expansion work of Bhilai and Bokaro Steel Plants are lying unused in the yard."

I have said 30,000 tonnes are lying at Bokaro and 16,000 tonnes at Bhilai.

Part (b) of the question is :

> "if so, the reasons therefor and action being taken against the persons responsible for wrong planning."

I have given the reason.

I am sorry that the hon. Member should say that I have not answered the question.

श्री भानु कुमार शास्त्री : मैंने पूछा है कि कितनी मशीनरी अप्रयुक्त पड़ी हुई है और

**Not recorded.

कितने मूल्य की पड़ी हुई है और आपने उत्तर दिया है कि इनकी स्थापना करना बाकी है। मैं पूछ रहा हूं कि कितनी अनयूटिलाइज्ड है और आप उत्तर दे रहे हैं कि स्थापना होना बाकी है। मैं पूछ रहा हूं कि कोमत कितनी है और आप जवाब दे रहे हैं कि तीस हजार टन है। अब टन क्या रुपये होते हैं? मुझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि मंत्रियों का स्वभाव हो गया है —शायद मंत्री महोदय न जानते हों — मंत्रालयों के सम्बन्धित सेक्रिटरियट से बराबर सूचना मिल जाती है प्रश्नों के उत्तर में तो भी आपके मंत्रालय गलत उत्तर बना करके संसद् के अन्दर पेश कर देते हैं। मैं फोटो स्टेट कापीज सदन के अन्दर पेश कर सकता हूं जो मंत्रालयों को प्रश्नों पर आफिस ने दी है और आफिस उसको बदल कर हमारे सामने रख देता है। यह बड़े खेद की बात है। मेहरबानी करके इस प्रसंग में आप कैसा न करें।

एक पत्र मंत्री महोदय को माननीय सदस्य श्री मोहन धैया ने दस अगस्त, 1977 को लिखा था और उसका एकनालिजमेंट भी कर दिया गया था। उस में सारा विवरण दिया गया था। मैं उदाहरण के रूप में एक दो बातें बताना चाहता हूं। एक ट्रिगर 120 नामक ट्रैक्टर जिस की लागत तीन लाख रुपया है वह ढाई वर्ष से बेकार पड़ा हुआ है। वह केवल 160 घंटे चला है। चालीस टन क्षमता वाले इंटरनेशनल ट्रेक्टर वहां बेकार पड़े हुए हैं और मजदूरों से छोटे मोट काम आधा दिन उन पर करवा करके फिर उनको बेकार रख दिया जा है। कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट जोन के क्रेन सैक्शन में नई क्रेन .....

MR. SPEAKER : You can lay a statement on the Table of the House. You put a question.

श्री भानु कुमार शास्त्री : तीन चार ही हैं ज्यादा नहीं है। लम्बी सूची होती तो मैं टेबल पर रख देता। क्रेन सैक्शन में लाखों रुपये के नए क्रेन बेकार पड़े हुए है और हमारे कर्मचारी बेकार बैठे हुए हैं, लीडिंग अनलोडिंग करने के लिए बी बी सी कम्पनियों को ठेका दिया जाता है, कांट्रैक्ट दिया जाता है, किराए पर दिया जाता है और हमारे वर्कर बेकार बैठे हुए हैं। प्राइवेट कम्पनियों को किराए पर देना और हमारी मशीनें और हमारे कर्मचारी वहां बेकार बैठे रहे यह कहां तक ठीक है?

टर्निंग और शेपिंग मशीनरी को जंग लग गया है, बिना काम में लाए जंग लग गया है और काम ठेकेदारों को दिया जाता है।

ट्रकों और जीपों की बात भी आप सुन लें। इतना बड़ा स्कैंडल और कहीं नहीं होगा। उनको नीलाम में बेच दिया जाता है और उसके बाद वही जीपें और ट्रकें रिपेयर करके और वही ठेकेदार उसी कम्पनी में आ कर उनको भिलाई से ठेके ले करके काम में लाते हैं। करोड़ों रुपए का इस तरह से नुकसान हो रहा है। क्या मंत्री महोदय सदन के सामने ये सब चीजें नहीं रख सकते थे?

जो जिम्मेदार अधिकारी हैं जिन्होंने इस प्रकार का काम किया है क्या उनको आप दंडित नहीं करेंगे? मैं पूछना चाहता हूं कि यह जो आपने टन बताया है इसके बजाय अभी आप कीमत बतायें और बतायें कि कितने करोड़ रुपये की मशीनरी बेकार पड़ी हुई है और कब से बेकार पड़ी हुई है और कब तक आप इस प्रकार की जो अव्यवस्था भिलाई में है इसको समाप्त कर देंगे।

SHRI BIJU PATNAIK : I gave the tonnage because that will be a more probable answer. The money value will not give the tonnages. I think, the hon. Member will note this fact. The total order for the Bhilai Steel Plant was 1,65,000 tonnes out of which orders totalling 1,32,000 tonnes have been placed so far by the end of October, 1977. Out of which 25,500 tonnes have been supplied leaving a balance of one lakh tonnes more yet to come. He says 'unused'

there is no such thing as unused; it is a continuous process of construction. Parts have to come, machines have to come; sometimes some supplies come, advance supplies of the original parts, even when the first construction has not been there, and they remain unused. If the hon. Member, while making a Rs. 1000-crore plant, gets frightened with a Rs. 40-crore machinery lying temprarily idle, I can only say to the hon. Member that small minds do not take big projects.

श्री भानु कुमार शास्त्री : मुझे बड़ा खेद होता है कि आज भी....

SHRI KANWAR LAL GUPTA : Sir, on a point of order. The Minister was not right in saying that 'small minds do not take big projects.' That is a reflection on the Members.....

SHRI BIJU PATNAIK : I did not cast any reflection...(*Interruptions*).

SHRI KANWAR LAL GUPTA : The Minister has not replied to his question properly. His question was that such and such machines were lying idle...

SHRI BIJU PATNAIK : If that is a reflection, I withdraw it readily. But it is not at all a reflection. It was not meant to be a reflection.

श्री भानु कुमार शास्त्री : मंत्री महोदय ने जिस तरीके से उत्तर दिया है मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे माननीय संसद् सदस्य वहां घूम कर आये हैं, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप स्वयं वहां जा कर देखें टाइगर 120 नामक ट्रैक्टर 160 घंटे चल कर बेकार पड़ा हुआ है, उसका कोई उपयोग नहीं रहा है ...

SHRI BIJU PATNAIK: For the information of the hon. Member, I wish to say that not only I am going there, but the entire Consultative Committee of the Ministry is going there. The hon. Member can also come, if he wishes to.

श्री भानु कुमार शास्त्री : मैं तो आपको तथ्य दे रहा हूं आप चल कर देखिए । मुझे आपका निमंत्रण स्वीकार है । कई मशीनें बेकार पड़ी हुई हैं, केवल भिलाई में ही नहीं, उदयपुर में भी बन्द पड़ी हुई हैं हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के अन्दर । मंत्री जी इसको प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनायें, सवाल हमारे देश और पैसे का है । संजय गांधी जब बस्तर यात्रा पर आने वाले थे, तब हम लोग जेल में थे, तो सड़क का निर्माण ठेकेदारों से करवाया गया । इस भिलाई के अन्दर एक मशीन है जिसका नाम एसफाल्ट प्लान्ट है और एक रोड फिनिशर है, उनका उपयोग नहीं किया गया । यह दोनों मशीनें चीन और भारत के युद्ध के अवसर पर....

श्री मनी राम बागड़ी : मंत्री महोदय अपना दिमाग दुरूस्त कर लें, रौब बर्दाश्त नहीं किया जायगा ।

श्री भानु कुमार शास्त्री : तीन रोड फिनिशर और एसफाल्ट प्लान्ट्स सारे देश में हैं जिनमें से एक भिलाई में है जो चीन और भारत के युद्ध के अवसर पर लद्दाख के अन्दर सड़क बनाने के लिए काम में लाया गया था । वह वैसे ही पड़ा हुआ है उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है । लेकिन सड़क बनाने के लिए ठेकेदारों को दी जाती है । क्या जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जांच करने के लिए मंत्रीजी कुछ विचार करेंगे ?

SHRI BIJU PATNAIK: The hon. Member has virtually answered his own question. If the machinery which was bought during the Chinese war—normally a machinery functions for about eight to nine years; that is the life—is lying idle, if that has become junk—I do not know, I have not checked it—, if that has become junk and some contractors want to use it, I find no objection. But I shall certainly look into it.

श्री भानु कुमार शास्त्री : जंग नहीं लगेगा तो क्या होगा ? यह तो मैंने अपने कवैय्यन में ही कहा है कि जंग लगा हुआ है, अगर इस्तेमाल नहीं करेंगे तो जंग तो लगेगा ही ।

MR. SPEAKER: He says he has no information and will look into the matter.

श्री युवराज : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि जो हमारी राष्ट्रीय नीति है, कि जो मजदूर काम में लगे हुए हैं, कोई ऐसा

काम वहीं किया जायेगा जिससे वह मजदूर बेरोजगार बना दिए जायें, क्या उसके विरुद्ध करोड़ों रुपए की कम्प्यूटर मशीन वहां ले जाकर रखी गई हैं, जिनके लग जाने से हजारों मजदूर बेकार हो जायेंगे ? क्या मंत्रीजी को इस बात की जानकारी है ?

SHRI BIJU PATNAIK: There are some sections where certain machines are essential for selecting and combining the schedule of raw materials; these electronic equipments are essential for productivity. Manpower cannot help there.

SHRI JYOTIR MOY BOSU: But that is never used.

SHRI BIJU PATNAIK: It is being used; it is not correct.

SHRI K. LAKKAPPA: These are the two premier steel producing centres. The hon. Member has said that materials worth crores of rupees were lying unused and idle and things were not organised properly so that these equipment etc. could be utilised as they should be. It is a very important question, but the answer by the hon. Minister is not only irrelevant......

MR. SPEAKER: What is the question ?

SHRI K. LAKKAPPA: The other part of the question was: What was the action being taken against the persons responsible for wrong planning. The hon. Minister answered that it was a continuous process. The hon. Minister has also not given the money value of that material lying idle. The material is lying idle and that means, there was faulty planning. Is it because of the faulty planning that raw material and equipment worth crores of rupees has been lying idle ? As the hon. Members here are very much agitated, will he have an impartial enquiry into these matters ? The hon. Minister is a very dynamic person and I am sure, he will set right all these things and see that this premier steel producing centre works properly.

SHRI BIJU PATNAIK: I was trying to hide the omissions of the previous Government though the Members seem to be very much agitated about this. Now, I would like to tell the House that the Bhilai Expansion was supposed to be completed in 1976. You had imported the machinery on that planning. You did not provide the funds for development. Now it will be finished in 1981. Therefore, to tell me that I planned it badly is really begging the question......

SHRI K. LAKKAPPA: I am asking this Minister......(*Interruptions*).

SHRI BIJU PATNAIK: This Minister is going to correct the situation and try to resurrect as much of the debris as possible.

श्री मोहन भैय्या : अध्यक्ष महोदय, मैंने इस्पात और खान मंत्री को जुलाई, 1977 में एक पत्र लिखा था। उसका उत्तर उनके सेक्रेटरी द्वारा 10 अगस्त, 1977 को दिया गया, जिसमें कहा गया था कि मंत्री महोदय दौरे पर हैं और उनके दिल्ली आने पर आपके पत्र से उन्हें अवगत कराया जायेगा। मैं समझता हूं कि मंत्री महोदय का इसमें कोई दोष नहीं है। ऐसा लगता है कि मैं ने जो पत्र उन्हें लिखा था, वह उन के सामने नहीं लाया गया होगा। जैसा कि माननीय सदस्य, श्री भानु कुमार शास्त्री, ने कहा है, वहां बहुत सी मशीनें बिल्कुल नई अवस्था में पड़ी हैं। मैंने स्वयं सारे क्षेत्र का दौरा करके देखा है। मैंने अपने पत्र में 1 से ले कर 14 तक सब विवरण दिया है। मैं इस पत्र** को सदन के टेबल पर रख दूंगा। मैंने कई बार यह जानने की कोशिश की है कि वह सामान क्यों बेकार पड़ा है। मैंने एक पत्र और भी भेजा है, जिसमें मैंने बताया है कि भिलाई के कंस्ट्रक्शन विभाग में 7,000 मजदूर काम करते थे। वे स्ट्रक्चरल फेब्रिकेशन का काम 700 रुपए प्रति-टन के हिसाब से करते थे। अब वह काम एच० एस० सी० एल० के माध्यम से ठेकेदारों को दे दिया गया है, जो 1700 रुपए से 2200 रुपए प्रति-टन लेते हैं। कांग्रेस शासन के कार्यकाल में यह सौदा हुआ था। चुनाव के दौरान ठेकेदारों से हजारों रुपए का चंदा लिया गया था। ठेकेदार 1500 रुपए प्रति-टन ले कर 700 रुपए में दूसरे लोगों से यह काम करवाते हैं। इसमें करोड़ों रुपयों की क्षति हुई है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदय विधिवत्

**The Speaker not having subsequently accorded the necessary permission, the document was not treated as laid on the Table.

इस मामले की जांच करवायेंगे, और जो लोग इसमें दोषी हैं, भले ही वे पूर्ववर्ती सरकार के लोग हों, उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करेंगे ?

SHRI BIJU PATNAIK: The hon. Member who is raising these questions had lengthy dicussions with me several times. The sins of the previous government are now visiting on us and I shall assure the hon. Member that I shall take as much corrective action as possible and all the allegations that have been made against the construction company, the Hindustan Steel Construction Company or the other officials and contractors......

AN HON. MEMBER: By when ?

SHRI BIJU PATNAIK: That has to be assessed first and then the contracts once given cannot be rescinded. Otherwise, the work will be delayed further and there will be further escalation of costs. Therefore, we will take the necessary steps. The hon. Member himself is a member of the Consultative Committee. The Committee is meeting in Bhilai by the end of January and we shall look into all these problems there.

श्री राघवजी : माननीय मंत्री श्री पटनायक वरिष्ठ एवं अनुभवी मंत्री हैं। उनसे यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे माननीय प्रश्नकर्ता को स्माल माइन्ड कह कर उनका अपमान करेंगे।

करोड़ों रुपये की मशीनों के आइडल पड़े रहने के सम्बन्ध में एक संसद् सदस्य ने माननीय मंत्री को जुलाई, 1977 में पत्र लिखा था फिर भी माननीय मंत्री ने अपने उत्तर में कहा कि मेरी जानकारी में अगर यह मामला लाया जायेगा तो जांच करवायेंगे। जब जुलाई 1977 में मंत्री जी को ऐड्रेस करते हुए पत्र लिखा गया तो क्या वह उनके पास तक पहुंचा नहीं या अगर पहुंचा है तो क्या वह चीज उनकी जानकारी में नहीं है ? अगर उनकी जानकारी में थी तो उन्होंने उसकी जांच क्यों नहीं करवायी ?

SHRI BIJU PATNAIK: I do not recollect the complaint. If he reminds me, I will certainly look into it.

5000 से अधिक/कम जनसंख्या वाले गांवों में टेलीफोनों की व्यवस्था किया जाना

*511. **श्री रामजी लाल सुमन** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्होंने घोषणा की है कि उन गांवों में, जिनकी जनसंख्या 5000 तक है और जहां पर डाकघर हैं, टेलीफोन सुविधाएं देने की व्यवस्था की जायेगी;

(ख) क्या जिन गांवों की जनसंख्या 5000 नहीं है, उनको भी टेलीफोन सुविधाएं प्रदान की जायेंगी; और

(ग) यदि हां, तो उक्त सुविधाएं कब तक उपलब्ध कराई जायेंगी ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) और (ख). सरकार ने नीति-संबंधी यह निर्णय लिया है कि सामान्य क्षेत्रों के उन सभी स्थानों में, जहां की आबादी 5000 या इससे अधिक हो, टेलीफोन की सुविधा (सार्वजनिक टेलीफोन घर) दे दी जाय। यह भी फैसला किया गया है कि पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों के उन सभी गांवों में, जहां की आबादी 2500 या इससे अधिक हो, टेलीफोन की सुविधाएं दे दी जायेंगी।

छोटे गांवों में, ये सुविधाएं नीचे लिखे श्रेणीगत स्थानों में दी जायेंगी बशर्ते कि सामान्य क्षेत्रों के प्रस्तावित स्थानों में अनुमानित राजस्व उनके वार्षिक आवर्ती व्यय के 25 प्रतिशत से अधिक, पिछड़े क्षेत्रों में 15 प्रतिशत से अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में 10 प्रतिशत से अधिक हो :—

(i) वे स्थान, जहां दारोगा या उससे ऊंचे ओहदे के अधिकारी के अधीन थाना हो।

(ii) दूरवर्ती स्थान (जिनसे 40 किलोमीटर के घेरे में कोई टेलीफोन एक्सचेंज न हो)